डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 292 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 05 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

बांसाखेड़ी फंटे के समीप आम रोड पर हुई दुर्घटना, चालक ट्रेक्टर छोड़कर भागा...

बस से उतरे ही थे मां-बेटे और दादा, ट्रेक्टर से हुई दुर्घटना, मासूम की मृत्यु

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर से अपने ग्राम धतुरिया जा रहे दादा और मां-बेटे बांसाखेड़ी फंटे के समीप रविवार देर शाम सड़क दुर्घटना की चपेट में आ गए। दादा और उसकी बहू व पोता बस में सवार थे। बांसाखेड़ी फंटे पर जैसे ही वे बस से उतरे और आगे चले थे कि तेज रफ्तार से दौड़ रहे ट्रेक्टर की चपेट में आ गए। हादसे में दस वर्षीय मासूम बालक की मृत्यु हो गई है। दुर्घटना के बाद चालक ट्रेक्टर छोड़कर फरार हो गया।

अफजलपुर थाना पुलिस के अनुसार वीरम सूर्यवंशी निवासी ग्राम धतुरिया एवं उसकी बहू और उसका पोता विकास पिता राजू सूर्यवंशी 10 वर्ष बांसाखेड़ी फंटे पर एक निजी यात्री बस से आए थे। बस का बांसाखेड़ी फंटे पर रुकने का स्थान होना बताया गया है। यहां बस से वे उतरे थे कि अचानक दूसरी साईड से ट्रेक्टर क्रमांक आरजे 09 आरसी 9193 के चालक ने टक्कर मार दी। इससे वे घायल हो गए, लेकिन 10 वर्षीय बालक विकास सूर्यवंशी के पेट में गंभीर चोट पहुंची। बड़े अस्पताल में उपचार के दौरान बालक ने दम तोड़ दिया। बताया गया है कि बस का कंडक्टर कोई राजू है, जिसके बयान दर्ज होना बाकी हैं। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

अपने मामा के यहां आए थे मां-बेटे...

बताते हैं कि मृतक बालक विकास अपने मामा के यहां अपनी मां के साथ मंदसौर आया था। मंदसौर में उसका मामा श्रीकोल्ड के समीप कहीं रहते हैं। वापिस वे अपने गांव धतुरिया जा रहे थे। वर्तमान में राखी 19 अगस्त को है, इसके पूर्व दुर्घटना में बालक की मृत्यु से दोनों परिवार में गम का माहौल निर्मित हो गया है।

खेत में युवक को करंट लगा, मृत्यु

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाने के तहत ग्राम रायसिंह पिपलिया में रविवार को एक युवक की करंट लगने से मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार दिलराजसिंह पिता श्यामसिंह 18 वर्ष अपने खेत पर चारा काटने सुबह पहुंचा। लम्बे समय तक जब वह वापिस नहीं लौटा तो परिजनों ने ढूंढा। खेत में दिलराजसिंह अचेत अवस्था में मिला, उसके हाथ में तार भी रहा। अस्पताल में ईलाज के दौरान डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नरेन्द्रसिंह चंद्रावत की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

जिले में 1500 के करीब हैं बिना मुंडेर के कुएं, आए दिन डूब कर मरने की होती है दुर्घटनाएं...

मौत के कुएं!, मुंडेर गायब, बेपरवाह जिम्मेदार

बरसात का दौर जारी, कुंआ मालिकों पर कार्रवाई शिथिल, कुछ पर कार्रवाई, बाकी को बख्शा

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्प्रेस। बिना मुंडेर के कुंओं में गिरकर मरने वालों की लिस्ट लम्बी होती जा रही है। इसके बाद भी कुंआ मालिकों ने मुंडेर आज तक नहीं बनाई है। इसका कारण यह भी है कि न तो प्रशासन चेता और न ही पुलिस विभाग ने इस ओर ध्यान दिया। बता दें कि केवल एक मामले में ही पुलिस ने सख्ती दिखाई है जबकि विगत कई वर्षों से बिना मुंडेर के कुंओं में गिरकर कई लोग अकाल मौत का शिकार हो गए हैं। वर्तमान में बरसात का दौर जारी है। सड़क पर फिसलन की आशंका बनी रहती है। ऐसे में कुंओं में पानी भी पूरा भरा रहने की संभावना है, दुर्घटना हुई तो आशंका है कि मौत से सामना तय है।

बता दें कि भावगढ़ थाना क्षेत्र में विगत वर्षों में ट्रेक्टर ट्रॉली बिना मुंडेर के कुएं में गिर गई थी। इस घटना में पांच लोग मरे थे। वहीं करीब 15 वर्ष पूर्व भानपुरा थाने क्षेत्र में लोगों से भरी पूरी जीप गिरी थी, इस हादसे में एक ही परिवार के सात जनों की अकाल मौत हुई थी। ये वे बड़े मामले हैं जो आज तक याद हैं। जबकि बिना मुंडेर के कुंओं में गिरकर दर्जनों लोगों की मौत हुई है। यही नहीं कुंओं में समाने से दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत की सूचनाएं आती रहती है। इसके बाद भी आज तक समझाईश देने व नोटिस जारी करने के दावे किए गए हैं। यही वजह है कि आज भी जिलेभर में 1500 कुएं ऐसे हैं जो बिना मुंडेर के बने हुए हैं। इन कुंओं को मौत के कुओं की संज्ञा दी जा सकती है। बता दें कि प्रशासन की दृढ़ इच्छा शक्ति की जरुरत है तब ही जाकर मुंडेर बनेगी।

प्रशासनिक मशीनरी बदलती रहती है, सुस्त रवैया बरकरार–बिना मुंडेर के कुएं लोगों की जानें ले रहे हैं। बावजूद इसके प्रशासन इस मामले में सुस्त रवैया बरत रहा है। हर साल दर्जनों लोग अकाल ही मौत के मुंह में समा रहे है। इसके बाद भी बिना मुंडेर के कुएं मालिकों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस कारण मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यही कारण है कि बिना मुंडेर के ये कुएं मौत के द्वार बन गए हैं। जिसे बन्द कराने की ओर प्रशासन ने अभी तक ध्यान तक मुनासीब नहीं समझा। प्रशासनिक मशीनरी भी दो या तीन वर्ष में बदलती रहती है, ऐसे में सुस्त रवैया बरकरार रहने लगा है। जो पुराने आदेश हैं, उस पर नए अधिकारी अमल में नहीं लाते हैं या अधिनस्थ कर्मचारियों द्वारा उन्हें बताया नहीं जाता है।

हत्या में तब्दील होने की आशंका है मौत की घटना–जिले में बिना मुंडेर के कुओं की संख्या करीब 1500 के आसपास है। कुंओं के मालिक मुंडेर बनाने में जानबूझ कर कोताही बरत रहे है। आए दिन ऐसे कुंओं में गिरकर जाने-अनजाने में अपनी जान गंवा रहे हैं। कुछ मामलों में बिना मुंडेर का सहारा लेकर बदमाश लोगों को धकेलने का काम भी करते होंगे, इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि कुछ साल पहले एक बड़ा हादसे होने के बाद प्रशासन ने बिना मुंडेर के कुंओं की गिनती की थी, जो करीब 1500 के आसपास निकली। ऐसे कुंआ मालिकों को शीघ्र मुंडेर बनाने के आदेश दिए। इसके बाद भी प्रशासन के आदेश को कुंआ मालिकों ने ताक पर रख दिया। प्रशासन के अधिकारियों का स्थानांतरण होने के साथ ही यह आदेश रद्दी की टोकरी में डाल दिए गए।

सख्ती से ही चलेगा काम–बिना मुंडेर के कुंआ मालिकों पर यदि प्रशासन की ढिली कार्रवाई ऐसी ही चलती रही तो लोगों की जानें जाते रहेगी। लोगों के अकाल मौत मरने के बाद भी कुंआ मालिकों को इससे लेना-देना नहीं है। महज कुछ हजार रुपए खर्च कर दिए जाने से दुर्घटनओं को बचाया जा सकता है। प्रशासन यदि सख्ती से पेश आए व कुंआ मालिक यदि मुंडेर नहीं बनाते हैं तो उन पर कार्रवाई करें आने वाले समय में कई लोगों की जानें बचाई जा सकती है।

चारों और बहता रहा पानी, डेढ़ घंटे तक बाद एसडीआरएफ की टीम ने सकुशल बचाया...

नाले में बहा युवक, पत्थरनुमा चट्टान बनी सहारा

यमराज से हुआ सामना, ग्रामीणों के जज्बे और पुलिस की जागरूकता भी आई काम, बच गया युवक

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आसपास चारों और पानी और शोर शराबा...बीच में एक पत्थरनुमा चट्टान पर बैठा था किशनसिंह...अगर पानी का बहाव तेज हुआ और पत्थर के ऊपर पानी की तेज लहर ने झटका दिया तो पानी कहां तक किशनसिंह को ले जाता..इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। एक पत्थरनुमा छोटी चट्टान उसके लिए सहारा बनी। यूं भी कहा जा सकता है कि यमराज के उसने दर्शन कर लिए। ग्रामीणों ने रस्सी डालकर किशनसिंह को बचाने की कोशिश जरुर की। लेकिन, आसपास पानी और डर के बीच किशनसिंह रस्सी पकड़ने या उस तक पहुंचने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। पत्थर के बीच पानी में बहने के डर के बीच किशनसिंह ने डेढ़ घंटा गुजारा। हालांकि एसडीआरएफ की टीम ने हिम्मत जरुर दिलाई। आखिरकार किशनसिंह सौंधिया को सकुशल बाहर निकाला लिया गया।

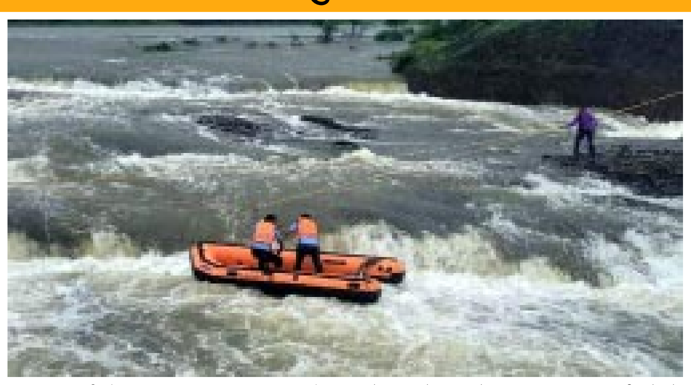

यह मामला है सीतामऊ क्षेत्र के ग्राम पारली का, खेजड़िया गांव से कुछ दूरी पर है। किशनसिंह पिता चंदरसिंह सौंधिया चारा काटने के लिए खेत गया था। वापसी में एक बड़ा नाला पड़ता है। यहां एक गड्ढे में किशनसिंह का पैर गिर गया। इधर पानी का बहाव तेज था। संतुलन बिगड़ने के कारण तेज बहाव में किशनसिंह बह गया। गनीमत रही कि पानी के बीच एक पत्थरनुमा छोटी चट्टान आ गई। उसे पकड़कर किशनसिंह उस पर बैठ गया। लेकिन आसपास पानी का तेज बहाव जारी था। किनारा काफी दूर था। ग्रामीण पहुंच जरुर गए, लेकिन किशनसिंह को बाहर निकालना मुश्किल था। यह काम प्रशिक्षित टीम ही कर सकती थी। लेकिन, डर यह था कि पानी का बहाव और तेज हो गया और पत्थर तेजी से पानी से टकराया तो उसके बहने का डर था। ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष पति विजय पाटीदार को सूचना दी, वह मौके पर पहुंचे। इधर एसडीओपी और टीआई मोहन मालवीय सहित पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

रस्सी को लेकर था तनाव–सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जिस पत्थर पर किशनसिंह बैठा था। वह किनारे से काफी दूर थी। उसके लिए एक बड़ी और मजबूत रस्सी की दरकार थी। ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष पति विजय पाटीदार को मोबाईल पर इस संबंध में सूचना दी। विजय पाटीदार रस्सी लेकर मौके पर पहुंचे। लेकिन एसडीआरएफ के प्रशिक्षित कर्मचारियों के बिना काम चलना मुश्किल था। विजय पाटीदार ने बताया कि रेस्क्यू टीम के आने से पहले दोनों छोर पर रस्सी बांध दी गई। रेस्क्यू टीम नाव के जरिए किशनसिंह तक पहुंची। इसके बाद रस्सी के द्वारा उसे बाहर निकाला गया।

तीन माह पहले भाई की हुई थी मृत्यु–तीन माह पहले किशनसिंह के भाई की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। इधर किशनसिंह के फंसे होने की जानकारी मिलने के बाद मां सहित परिजनों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। किशनसिंह के लिए भगवान से प्रार्थना की जा रही थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी अपनी तरफ से किशनसिंह को बाहर निकालने में काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यशोधर्मन नगर थाने के सामने बाईक भिड़ी, दो जनें घायल

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। रविवार सुबह करीब 9.30 बजे यशोधर्मन नगर थाने के सामने दुर्घटना हुई। यहां दो बाईक आपस में भिड़ गई। इससे दोनों बाईक पर सवार युवक घायल हो गए, लेकिन एक युवक के पैर में गंभीर चोट आना बताया गया है।

यशोधर्मन नगर थाना पुलिस के अनुसार शोएब पिता उस्मान पठान 30 वर्ष अयोध्या बस्ती में रहता है, वह अपनी बाईक से कहीं जा रहा था। इस दौरान परमानंद मेघवाल निवासी केलूखेड़ा थाना बरखेड़ा कला रतलाम भी अपनी बाईक से जा रहा था। इस दौरान दोनों बाईक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में शोएब और परमानंद दोनों घायल हुए, लेकिन शोएब के पांव में गंभीर चोट पहुंची है, जिसे बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है।

दिनभर कभी तेज तो कभी झमाझम बारिश का दौर चला, शहर में रात्रि तक डेढ़ इंच बारिश...

हरियाली अमावस्या पर इंद्रदेव भी रहे मेहरबान

शिव मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब, मालपुए का भोग लगाकर की पूजा अर्चना

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हरियाली अमास्या पर्व पर शिव मंदिरों में भीड़ रही। भगवान को मालपुए का भोग लगाकर पूजा अर्चना की गई। जिलेभर में हरियाली अमावस्या पर्व उत्साह से मनाया गया। इधर इंद्रदेव भी हरियाली अमावस्या पर प्रसन्न नजर आए। दिनभर बादल छाए रहे। कभी तेज तो कभी झमाझम बारिश हुई। इस दौरान नदी नाले भी उफान पर रहे। मंदसौर शहर में रविवार सुबह से रात्रि तक करीब डेढ़ इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है।

जिले में रविवार सुबह से तेज बारिश होती रही। मौसम विभाग ने आज मंदसौर, नीमच सहित प्रदेश चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। अनुमान के अनुसार बारिश का दौर चलता रहा। मौसम जानकारों के अनुसार झारखंड और पश्चिम बंगाल के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन लो प्रेशर एरिया एक्टिव है। वहीं मानसून ट्रफ इस लो प्रेशर एरिया के केंद्र से होते हुए प्रदेश के उत्तरी हिस्से से गुजर रहा है। एक अन्य ट्रफ पूर्व-पश्चिम से होकर इन्हीं क्षेत्रों में एक्टिव है। इसके चलते बारिश का रेड अलर्ट रहा। जिले में सीजन में रविवार सुबह तक ओवरऑल 466 एमएम औसत बारिश दर्ज की गई है।चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का 1298.40 फीट पहुंच गया है।

जिले में कहां-कितनी बारिश–जिले में मंदसौर - 322 एमएम, सीतामऊ - 470 एमएम, सुवासरा - 633 एमएम, गरोठ - 4968 एमएम, भानपुरा - 440 एमएम, मल्हारगढ - 244 एमएम, धुंधडका - 396 एमएम, शामगढ - 750 एमएम, संजीत - 411 एमएम, कयामपुर - 447 एमएम, भावगढ - 522 एमएम बारिश चौबीस घंटे में दर्ज की गई है।

अमावस्या पर मंदिरों में आस्था का सैलाब–हरियाली अमावस्या को हरियाली अपने यौवन पर होती है. प्रकृति में चारों और हरियाली ही हरियाली होती है। इस अवसर पर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का विभिन्ना प्रकार की वनस्पतियों, पुष्प लताओं से आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर भगवान को मालपुए का भोग लगाया गया। सुबह से ही पशुपतिनाथ मंदिर पर भक्तों की भीड़ लगी रही, रात तक उत्साह रहा। राम मोहल्ला स्थित श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर से जुलूस भी निकला। हरियाली अमावस्या के अवसर पर चंदवासा के समीप धर्मराजेश्वर, गरोठ क्षेत्र के पोलाडोंगर महादेव एवं सीतामऊ में मोडी माता मंदिर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में लोगों की भीड़ रही। इसके साथ ही जिलेभर में शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। बाजार में सजी मालपुओं की दुकानों पर भीड़ लगी रही। शहर से लेकर जिलेभर में मालपुओं की खूब बिक्री हुई। दो साल के बाद इस साल कोरोना की बंदिशे नहीं होने से मंदिरों से लेकर बाजार व घरों तक में उतसाह छाया रहा। घरों में भी मालपुओं की महक उड़ती रही।

परीक्षा परिणाम आए हुए चार माह, शिक्षण सत्रण भी निकला, मेधावी छात्रों को मिलना है लेपटॉप की राशि...

लेपटॉप को राशि मंजूरी आदेश का इंतजार

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि दी जाती है। लेकिन इस वर्ष परीक्षा परिणाम आए अब तक चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन शासन ने इसके लिए अब तक स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है।इसके लिए विभाग से विद्यार्थियों की सूची मांगी गई थी।

सीबीएसई विद्यार्थी और 70 प्रश वालों का संशय–सीबीएसई और 70 प्रतिशत वालों को शामिल करने पर संशय ऐसा माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की पिछले साल की घोषणा पर अमल किया, तो इस बार से सीबीएसई के विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी इस योजना में शामिल करने की बात कही थी। अगर ऐसा होता है तो सरकार पर अतिरिक्त भार पड़ना तय है। इस कारण फिलहाल इस पर संशय बरकरार है कि कितने प्रतिशत वाले विद्यार्थियों को इस योजना में शामिल किया जाए। दरअसल प्रदेश में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल से 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे ऊपर अंक लाने वाले मेघावी विद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि दी जाती है।

स्कूटी के भी अते पते नहीं–भाजपा सरकार ने पिछले साल से 12वीं के सभी स्कूलों के एक-एक टॉपर को मुफ्त स्कूटी देने का निर्णय लिया है। पिछले साल सरकारी स्कूल के हर एक टॉपर को स्कूटी दी दी गई थी। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि वर्ष 2024 से निजी स्कूलों के टॉपरों के लिए भी लागू किया जाएगा। इस पर भी निर्णय नहीं हो पाया है।

85 से 75 प्रतिशत पर आई योजना–वर्ष 2009-10 में शुरू हुई योजना माशिमं .... **शेष पेज 4 पर**

रात में आधे घंटे तक वन विभाग के रेस्क्यू दल ने की मशक्कत...

कालाभाटा पर मगरमच्छ का पनपा तनाव!

कुत्तों के कारण बच गई ऑपरेटर की जान

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कालाभाटा सहित शिवना नदी में पर्याप्त पानी आने से जलसंकट का तनाव तो खत्म हो गया, लेकिन रात को मगरमच्छ ने तनाव पनपा दिया है। शिवना नदी पर बने कालाभाटा बांध की रैलिंग पर रविवार रात मगरमच्छ दिखाई देने से डेम पर तैनात कर्मचारियों में खलबली मच गई। कर्मचारियों ने तुरंत अपने अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद वन अमले ने मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ का रेस्क्यू कर लिया।

नगर पालिका जलकल सभापति निलेश जैन ने बताया कि कालाभाटा बांध के ऊपर रात्रि 3 बजे एक भारी भरकम मगरमच्छ पहुंच गया। डेम ऑपरेटर विमल वहीं रहता है। अधिकांशत: वह डेम गेट की रेलिंग पर ही सोता है। सुबह कुत्तों के भौंकने पर डेम पर तैनात ऑपरेटर ने देखा तो बांध की रेलिंग पर 8 फीट लंबे मगरमच्छ था। उसने इसकी सूचना निलेश जैन को दी, उन्होंने वन विभाग को सूचित किया। सुबह करीब 4 बजे वन अमला मगरमच्छ को रेस्क्यू करने पहुंच गया। करीब आधे घण्टे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को काबू कर पकड़ा गया। इसे चंबल नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया है।

पहले भी दिखाई दिया था–बताया जा रहा है कि इससे पहले भी कई बार रिहायशी इलाकों के आसपास नदी में मगरमच्छ दिखाई दिए थे। वन अमले ने कई बार मगरमच्छ को पकड़ने के लिए नदी में पिंजरे लगाए थे। लेकिन, सफलता नहीं मिली। आज सुबह कालाभाटा बांध के ऊपर रेलिंग पर मगरमच्छ दिखाई देने के बाद वन विभाग की टीम में उसे पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि नदी में 3-4 मगरमच्छ और है।

इसराइल-हमास, फिलिस्तीन विवाद तीसरे विश्व युद्ध का आकार ले चुका है?

उज्जैन/मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। इसराइल हमास का युद्ध फिलिस्तीन ईरान होते हुए तीसरे विश्व युद्ध की तैयारी में बदल रहा है। दुनिया भर के देश के समाचार राष्ट्रों की आपस में बातचीत और आदेशों के हवाले से अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों के विषयों के अनुभव जो सार्वजनिक किए जा रहे हैं उनसे तो तीसरा विश्व युद्ध होने का आधार बनाकर तैयार हो चुका है। छोटा सा राष्ट्र इसराइल अपनी आधुनिक जगत की उपलब्धियों के कारण विश्व में जाना जाता रहा था कि रूस यूक्रेन युद्ध के साथ हमास इजरायल युद्ध भी 10 महीने पहले शुरू तो हुआ पर समाप्त अभी तक नहीं हो पा रहा है। जुलाई के आखिरी दिन में हमास के सुप्रीमो इस्माइल हनान की हत्या किए जाने के बाद ईरान ने इसराइल को चेतावनी देते हुए करारा जवाब देने की बात सार्वजनिक कर दी है। रूस, चीन, मिश्र ने ईरान का साथ देने का ऐलान किया है। इजराइल के दोस्त कहलाने वाले भारत अमेरिका ने भी अपने विमानो की तेलअबीब की उड़ाने रद्द कर दी है। साथ ही भारत ने अपने नागरिकों से जल्द से जल्द इजराइल से निकलने का आह्वान किया है। जाहिर है जो देश नाटो के सदस्य हैं वह अभी तक इजरायल के साथ हैं। इतिहास के जानकार अशोक पांडे का कहना है कि इसराइल प्रयास कर रहा है कि ईरान युद्ध में शामिल हो जाए। कारण साफ है कि ईरान सभी इजरायल विरोधियों का सामूहिक नेतृत्व करता रहा है। इनमें हुती तुर्की हमास शामिल है। तुर्की नेता आर्भीदेआन इजरायली कार्रवाई का विरोध कर चुके हैं। विशेषज्ञ यह भी मान रहे हैं कि इसराइल और हिजबुल्ला का युद्ध शुरू होता है तो युद्ध खतरनाक साबित होगा। क्योंकि हिज्बुल्लाह सैन्य शक्ति और संसाधन के मामले में इजराइल से कम नहीं पड़ता है।

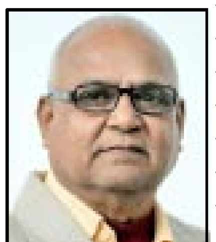

चन्द्रमोहन भगत

विदेशी नीति के को गहराई से समझने वालों में दिनेश के. वोरा भी एशिया में जाना पहचाना नाम है। अंतर्राष्ट्रीय खबरों के मामले में शीर्ष पर इनका नाम लिया जाता है। उनके अनुसार इजरायल विरोधी सभी देश 12 और 13 अगस्त को जब इजराइल में शोक दिवस मनाया जाता है, उसी दिन हमला किया जाएगा वह भी चारों तरफ से। यमन से हूती विद्रोही तो हिजबुल्ला अपने ग्रुप के साथ लेबनान और सीरिया से करेंगे। यह भी दावा किया जा रहा है कि इस बार ईरान बैलिस्टिक मिसाइल से इसराइल पर हमला करेगा वह भी इजरायल की राजधानी तेलअबीब और हाइफा शहर के रहवासी क्षेत्र में। ऐसा इसलिए कि इजराइल गाजा के शहरी क्षेत्र में हमला कर बच्चों तक को मौत के घाट उतार चुका है। हिजबुल्ला पहले से ही इजरायल के आयरन डोम को भेदने का दावा कर चुका है। इधर इसराइल विरोधियों की मदद के लिए लाल सागर में रूस अपना जंगी जहाज भेज चुका है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल के अलावा अन्य हजार किलोमीटर से अधिक गति वाली मिसाइल तथा अन्य विध्वंशक शस्त्र शामिल हैं। इसी तरह अमेरिका इजराइल के पक्ष में भूमध्य सागर में मे अपना जहाजी बेड़ा तैनात कर चुका है।

इन विशेषज्ञों द्वारा युद्ध की तैयारी और विध्वंस की जो संभावना है व्यक्त की गई है उसका असर दुनिया भर के देशों में होने वाला है। समुद्री मार्ग से आने वाला तेल व चिकित्सा जगत के लिए आयात होने वाले संसाधन केमिकल एजेंट पर रोक लग जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एशिया महाद्वीप पर इसका भरपूर नकारात्मक असर पड़ने वाला है।सबसे ज्यादाअसर समुद्री मार्ग से आने वाले सभी सामान पर होगा जो देश इस युद्ध में शामिल न भी होंगे तब भी इससे पूरी तरह प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। हालांकि भारत सरकार सभी राष्ट्रों से तटस्थ संबंध बनाए हुए हैं, पर समुद्री रास्ते युद्ध में प्रभावित हुए तो असर भी बहुत गंभीर होने वाला है।

विचार-मंथन

आपदा आने पर ही जागने की आदत से तबाह हो रहा समाज

मौसम विभाग और भूसर्वेक्षण से जुड़े महकमे अगर परस्पर तालमेल कर अध्ययन करें, तो बरसात के समय होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। जोखिम वाले इलाकों पर बारीकी से नजर रखी जाए, तो समय रहते वहां से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा सकता है। बरसात का मौसम हर वर्ष विकराल तबाही के मंजर लेकर आने लगा है। पहाड़ी इलाकों में तो हर वक्त बुरी खबर की आशंका बनी रहती है। अभी तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात से जमीन धंसने, घर, पुल, सड़कें, वाहन आदि बह जाने से सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं, सैकड़ों लापता हैं। हजारों लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने की कोशिशें जारी हैं। इसी हफ्ते केरल के वायनाड में भी भारी तबाही हो गई। भूस्खलन में पूरे के पूरे कई गांव खत्म हो गए। मरने वालों की संख्या दो सौ के करीब पहुंच रही है, बहुत सारे लोग लापता हैं। ऐसे में फिर से वही सवाल उठने लगे हैं, जो कई वर्ष से उठते रहे हैं। इस मुसीबत की बरसात में सबसे प्रमुख सवाल यह उठ रहा है कि बरसात और उससे होने वाली तबाही को लेकर पहले से चेतावनी जारी करने का कोई भरोसेमंद तंत्र क्यों विकसित नहीं किया जाता, जिससे लोगों को समय रहते जोखिम वाली जगहों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। वायनाड के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वहां तीन-चार दिन पहले ही चेतावनी जारी कर दी गई थी कि बारिश से भारी तबाही हो सकती है, मगर राज्य सरकार ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। मगर राज्य सरकार ने ऐसी किसी चेतावनी से इंकार किया है। अब विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि बारिश और भूस्खलन को लेकर पूर्व चेतावनी का व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की जरूरत है। बरसात के बारे में चेतावनी मौसम विभाग जारी करता है। मगर अक्सर उसके पूर्वानुमान भरोसेमंद साबित नहीं होते। अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जब वह बरसात से होने वाले नुकसान का सही-सही अंदाजा नहीं लगा पाया। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। अंधाधुंध चली विकास परियोजनाओं के चलते अनेक जगहों पर पहाड़ हिल चुके हैं, उनकी मिट्टी भुरभुरी हो चुकी है। जैसे ही तेज बरसात होती है, पहाड़ धंसने लगते हैं। उन पर बने घर, सड़कें और पुल ध्वस्त हो जाते हैं। बरसात की बदलती प्रकृति भी अब किसी से छिपी नहीं है। हिंद महासागर के गर्म होने से इस मौसम में बादल तेजी से बनते और मोटी बूंदों के रूप में बरसने लगते हैं। बादल फट पड़ते हैं। कम समय में बरसे अधिक पानी को पहाड़ झेल नहीं पाते। वायनाड के बारे में भी तथ्य छिपे नहीं थे। वहां का काफी बड़ा इलाका जोखिमभरा है। मिट्टी भुरभुरी होने की वजह से वहां भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। मौसम विभाग और भूसर्वेक्षण से जुड़े महकमे अगर परस्पर तालमेल कर अध्ययन करें, तो बरसात के समय होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। जोखिम वाले इलाकों पर बारीकी से नजर रखी जाए, तो समय रहते वहां से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के खतरे दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। मगर उसके मद्देनजर न तो विकास परियोजनाओं का आकलन किया जाता है और न संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के लिहाज से एहतियाती उपाय किए जाते हैं। बरसात के समय हादसे हो जाने के बाद सब सक्रिय नजर आते हैं, जिन्हें राजनीति करनी होती है, वे उन पर राजनीति भी करते हैं। मगर इस सबके बीच जिन लोगों की जिंदगियां खत्म हो जाती हैं, जिनके घर-परिवार, मवेशी, जमीन-जायदाद नष्ट हो जाते हैं, उनकी भरपाई कभी नहीं हो पाती।

अंतर्कलह से जूझती भाजपा की खराब होती दशा

कौशल किशोर

इसके कारण भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की हालत ऐसी है कि देश का स्वास्थ्य मंत्रालय ही नेतृत्व विहीन प्रतीत होने लगा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के बीच की तकरार सरहदें पार कर गई है। केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्य नाथ के नाम पर आज संगठन बनाम सरकार का समीकरण बन गया है। इसके बीच उत्तर प्रदेश की जनता की कौन सुनेगा? आज यक्ष प्रश्न यही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की ढलती स्थिति के लिए योगी को जिम्मेदार मान कर सत्ता से बेदखल करने का प्रयास अब तक सफल नहीं हो सका है। पार्टी नेतृत्व को याद होगा कि पूर्व में कल्याण सिंह की लोकप्रिय सरकार अंतर्कलह की भेंट चढ़ गई थी। अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में हुई भूल के बाद भाजपा को सत्ता प्राप्त करने में 18 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। क्या मोदी के दौर में भाजपा फिर वही गलती दोहराएगी? इस सवाल के जवाब में तमाम तरह के दावे बाजार में मौजूद हैं। लोकसभा की 80 में से 75 सीटें जीतने का दावा करने वाले मात्र 33 पर सिमट गए। इसके कारण चुनाव में हार का ठीकरा फोड़ने की कवायद लगातार चलने लगी। लखनऊ में हुई समीक्षा में योगी आदित्य नाथ ने पार्टी की दुर्दशा के 3 कारण गिनाए। पहला, उन्होंने भाजपा के 400 पार के नारे को अति आत्मविश्वास का प्रतीक करार दिया। दूसरा, संविधान बदलने की योजना को अनुकूल समझ कर इसे जनता ने खारिज कर दिया। तीसरे कारण के रूप में डबल इंजन सरकार की सभी उपलब्धियों को

जनता तक नहीं पहुंचा पाना माना। हालांकि पहले दोनों कारणों में उन्होंने दिल्ली की ओर उंगली घुमाई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व पर बराबर प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बायोलॉजिकल नहीं होने की बात पर भागवत भी राहुल गांधी की तरह चुटकी लेने से नहीं चूके थे। सामाजिक समरसता के बदले हिन्दू मुस्लिम के नाम पर ध्रुवीकरण के प्रयास पर उनकी प्रतिक्रिया चर्चाओं में है। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं के सामने संघ के 50 लाख स्वयंसेवकों पर पार्टी अध्यक्ष नड्डा की बातों को उन्होंने अहंकार का प्रतीक माना है। इनका वास्तविक खमियाजा चुनाव में भुगतने के बाद संघ और भाजपा से जुड़ी हस्तियों की प्रतिक्रिया पर हार का टोटा हावी है। क्या विधानसभा उप चुनाव पर इस बात का असर नहीं होगा? उप-मुख्यमंत्री के रूप में 2 सहयोगी बैठाकर आलाकमान ने योगी जी पर अंकुश लगाने का काम किया। विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए योगी की तैयारी चकित करती है। इसमें जीत दर्ज करने के लिए प्रदेश सरकार ने 30 मंत्रियों की टीम मैदान में उतारी है। दोनों उप मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर रख कर उन्होंने आलाकमान को साफ संकेत दिया है। योगी की पसंद के 3 मंत्री प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को साधने का काम करेंगे। प्रतिपक्ष इस अंतर्कलह को भुनाने के प्रयास में लगा है। आलाकमान की शह पाकर ही केशव प्रसाद मौर्य बगावत को हवा दे रहे हैं। यह हिन्दू हृदय सम्राट और नेतृत्व शिखर पर बाबा के पहुंचने के मार्ग में बाधा खड़ी करने का काम है। इसके खिलाफ बुल्डोजर बाबा की रणनीति से चित्त और पट्ट का टॉस बाबा के पाले में है। त्याग पत्र की मांग करने वाले बैकफुट पर हैं। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया और छत्तीसगढ़ में डा. रमण सिंह की तरह उत्तर प्रदेश से योगीजी की विदाई आसान नहीं है। उनके राजनीतिक पैंतरे का असर भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री रहे इन सभी कद्दावर नेताओं पर पड़ेगा। अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए मोदी, शाह व नड्डा कद्दावर नेताओं के पर कतरने से नहीं चूकते हैं। ऐसा पहली बार हुआ कि अनुशासित मानी जाने वाली पार्टी में बगावत इस कदर मुखर हो गई है। संघ और उत्तर प्रदेश की जनता का सहयोग, सहानुभूति व समर्थन योगी के साथ है। ऐसे में क्या भाजपा आलाकमान उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन कर सकेगी? जातिवाद की इस राजनीति का गढ़ माने जाने वाले सूबे में ठाकुरवाद और वर्चस्व के समर्थन और विरोध में सक्रिय लोगों की कमी नहीं रही है। क्या आज पार्टी आलाकमान आसन्न संकट से अपना ही बचाव करती नहीं दिखती है।

निवेशकों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए

दो दोस्त, राम और श्याम, एक ट्रेन में यात्रा कर रहे थे जब लुटेरों ने यात्रियों को लूटना शुरू कर दिया। श्याम पर राम का कुछ पैसा बकाया था। इससे पहले कि लुटेरे उन तक पहुंच पाते, श्याम ने अपनी जेब से पैसे निकाले और राम को अपना कर्ज चुका दिया। राम पैसे लेने से इंकार नहीं कर सका, भले ही वह जानता था कि वह जल्द ही इसे लुटेरों के हाथों खो देगा। इंडेक्सेशन (सूचीकरण) लाभों ने मुझे इस मनोरंजक कहानी की याद दिला दी। दुनिया भर में पूंजीगत लाभ कराधान 3 मुख्य तरीकों से लगाया जाता है। प्रत्येक विधि यह स्वीकार करना चाहती है कि 'वास्तविक' पूंजीगत लाभ 'कागजी' पूंजीगत लाभ से कम है। कागजी पूंजीगत लाभ की गणना बिक्री प्रतिफल से खरीद मूल्य घटाकर की जाती है। पहला और सबसे लोकप्रिय तरीका ऐसे कागजी पूंजीगत लाभ पर कर लगाने के लिए रियायती दर रखना है। दूसरी विधि कागजी पूंजीगत लाभ के केवल एक हिस्से पर सामान्य कर दरों पर कर लगाना है (उदाहरण के लिए, कागजी पूंजीगत लाभ के केवल 50 प्रतिशत पर सामान्य दरों पर कर लगाया जाता है)। तीसरी विधि, जिसका हमने अनुसरण किया, मुद्रास्फीति के लिए खरीद लागत को समायोजित करना है, उसके बाद मुद्रास्फीति-समायोजित पूंजीगत लाभ पर रियायती दर पर कर लगाना है। वास्तव में, भारत ने 1992 तक दूसरी विधि (पूंजीगत लाभ का 50 प्रतिशत सामान्य दरों पर कर) का पालन किया। 1992 के आसपास संकट-युग के बजट ने वर्तमान सूचकांक पद्धति की शुरूआत की। उस परिवर्तन के समय विजेता और हारने वाले दोनों थे। उच्च-रिटर्न निवेशकों (1981 में खरीद मूल्य 260 हजार और 1992 में बिक्री मूल्य 15 लाख और प्रति वर्ष 21 प्रतिशत रिटर्न थी) को परिवर्तन के कारण नुकसान हुआ। कम-रिटर्न वाले निवेशकों की तुलना में (1989 में खरीद मूल्य 24 लाख और 1992 में बिक्री मूल्य 5 लाख और रिटर्न 9 प्रतिशत प्रति वर्ष थी) अब, चीजें पूर्ण चक्र में आ गई हैं। कल के विजेता (कम रिटर्न वाले निवेशक) आज हारे हुए महसूस कर रहे हैं और इसके विपरीत ऐसे किसी भी बदलाव में विजेता और हारने वाले दोनों होंगे। 12.5 प्रतिशत की दर पर जाने के लिए सरकार को दोष देने का यही एकमात्र कारण नहीं हो सकता है, जो वैश्विक स्तर पर निम्न स्तर पर है। सरकार ने 2018 के लिए कराधान सूची को फिर से लागू किया, तो उसे 2018 की तारीख तक अर्जित लाभ पर छूट मिलेगी। वास्तव में, जब सरकार ने 2018 में सूचीबद्ध हिस्सेदारी में कराधान को फिर से शुरू किया, तो उसने 2018 के बजट की तारीख तक अर्जित पूंजी को छूट देने का ध्यान रखा। यह चर्चा का विषय नहीं है क्योंकि इसमें पहले से छूट प्राप्त हिस्सेदारी पर केवल भविष्य के लाभ को कम करने की कोशिश की गई थी। कर स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिष्ठा इसी तरह बढ़ जाएगी यदि इसमें एक अपमानजनक सूर्यास्त खंड शामिल हो। सबसे अच्छा समाधान वह होगा जो 2018 में अपनाया गया था जिसके अनुसार 31 मार्च, 2024 तक लागत सूचकांक की अनुमति देना था।

दोस्ती के बीच दरार का कारण न बन जाए बुद्धि

पूरन चंद सरीन

मित्रता का भावना से संबंध – सभी लोगों के जीवन में ऐसे पल आए होंगे, उन व्यक्तियों से मिले होंगे या अचानक आमने-सामने आ गए होंगे जिन्हें देखकर मन में यह भावना उत्पन्न हुई होगी कि यह तो मेरे ही जैसा या जैसी है। बचपन में अपने ही परिवार या पड़ोस में अथवा स्कूल आते-जाते या एक ही कक्षा में कोई न कोई तो होता है जिसके साथ बात करने, मिल बैठने और अपना कोई भी रहस्य बांटने की इच्छा अपने आप हो जाती है। इसमें परिवार या खानदान अथवा धन दौलत, गरीबी अमीरी और सामाजिक पहरेदारी की कोई जगह नहीं होती। विभिन्न परिस्थितियों के कारण चाहे सांसारिक रूप से कितने भी दूर हों, किसी भी मुकाम पर हों, उनकी याद जरूर आती है, बरसों न मिले हों लेकिन जब भी मुलाकात हुई हो और हालात कैसे भी हों, वही पुराने क्षण स्मृति में कौंधने लगते हैं जो एक तरह से हरेक के जीवन की ढाल होते हैं। कहते हैं कि दोस्तों के साथ रहने से उम्र बढ़ती है, मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है, शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। प्रमाण है कि दोस्त साथ हो तो गंभीर बीमारियों जैसे दिल या कैंसर के रोगी दुगुनी गति से ठीक होते हैं। असल में दोस्ती ऊर्जा देती रहती है और वह भी बिना सामने बैठे अर्थात् केवल ख्यालों के जरिए कि दोस्त यहीं कहीं है, यही अहसास जल्दी ठीक हो जाने का कारण बन जाता है। इसके विपरीत अगर ऐसा भावनात्मक संबंध रखने वाला व्यक्ति जिंदगी में नहीं है तो फिर केवल दवाइयों का ही भरोसा रह जाता है। मित्रता के बीच बुद्धि का इस्तेमाल – दोस्ती की परख करने के लिए जब लोग अपनी अक्ल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तब ही दोस्ती के खत्म होने और यह सोचने की कि हम कभी दोस्त भी थे, यह सोच बनने की शुरूआत हो जाती है। ध्यान दीजिए कि बचपन में जब किसी से दोस्ती या मोहब्बत होती थी तो तर्क यानी बुद्धि का उपयोग नहीं होता था, बस एक रिश्ता बनने लगता था। इस बात की तरफ ध्यान ही नहीं जाता था कि जिससे दोस्ती हो रही है उसकी आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक हैसियत क्या है और अगर कोई इन सब चीजों के बल पर अपनी धाक या धौंस जमाकर दोस्ती करना चाहता था तो उसे न केवल बाकी लोग सबक सिखा देते थे बल्कि उसे दोस्त भी नहीं मानते थे। कहते हैं कि ऐसी ही निस्वार्थ भावना के बीज से अंकुरित और पल्लवित दोस्ती ही जीवन भर कायम रहती है। मित्रता के पौराणिक प्रकार – कृष्ण और सुदामा की पाठशाला में बनी दोस्ती राजा और रंक की मित्रता की पौराणिक मिसाल है। इसी के साथ कृष्ण और राधा, कृष्ण और द्रौपदी तथा कृष्ण और उद्धव की मित्रता के अलग स्वरूप हैं। आज के दौर में इन पौराणिक चरित्रों को समझना ही मित्रता की कसौटी है। राधा और कृष्ण में आत्मीय मित्रता अर्थात् आत्मा का संबंध था। दोनों एक दूसरे के पूरक या कहें कि दो शरीर और एक आत्मा थे। उनका प्रेम आध्यात्मिक, अलौकिक था, सांसारिक विषयों की कामना और वासना का कोई स्थान नहीं था। आत्मिक मित्रता के बाद कृष्ण के सखा भाव का उनके जीवन में स्थान था। उनके केवल दो सखा थे। एक थीं द्रौपदी और ये दोनों एक दूसरे के सखा थे और इसी संबोधन से पुकारते थे। महाभारत में चीरहरण का प्रसंग यही दर्शाता है कि सखा भाव ही मित्रता की कसौटी और उसकी पराकाष्ठा है। जब सब ओर से द्रौपदी निराश और व्यथित हो रही थी तो अपने सखा को एक बार पुकारने भर से ही उनके सभी कष्टों का अंत हो गया। सांसारिक प्रेम चाहे द्रौपदी अपने 5 पतियों और कृष्ण अपनी पटरानी और अन्य रानियों से करते हों लेकिन सखा भाव से जन्मा प्रेम कृष्ण और द्रौपदी के जीवन की शक्ति था। यही अंत तक कायम रहा। कृष्ण के एक सखा थे उद्धव जो उनके सहपाठी, एक-दूसरे के जैसे दिखने वाले और प्रेम तथा मित्रता के अद्वितीय उदाहरण थे।

शिव भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए अलग कांवड़ यात्रा मार्ग समय की मांग

वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म 'सनातन धर्म' के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। देश में हर वर्ष आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान वर्ष दर वर्ष शिव भक्त कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा करना अब तो पुलिस-प्रशासन के लिए एक बेहद ही जटिल कार्य बनता जा रहा है। हालांकि शिव भक्तों को सबसे ज्यादा खतरा कांवड़ियों के भेष में उनके बीच ही छिपकर बैठे हुए कुछ हुड़दंगियों व कुछ आपराधिक सोच वाले लोगों से है, क्योंकि इस तरह के चंद लोगों की देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रति कोई आस्था श्रद्धा विश्वास नहीं होता है, बल्कि इन चंद लोगों का उद्देश्य तो केवल माहौल खराब के कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा को खतरे में डालते हुए, अपना हित साधने का होता है। उन लोगों का उद्देश्य होता है कि शांतिपूर्ण ढंग से चल रही कांवड़ यात्रा में हंगामा करके समाज का माहौल खराब करके पूजनीय शिव भक्त कांवड़ियों के प्रति आम जनमानस के बीच नफ़रत के बीज बोएं। इसलिए ही यह चंद लोग देवाधिदेव भगवान शिवशंकर के सिद्धांतों पर अमल ना करके भूल से भी जरा सी कोई घटना हो जाने पर ही, उस व्यक्ति को माफ़ ना करके मारपीट करने, तोड़फोड़ व लोगों की जान लेने तक पर उतारू हो जाते हैं और सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि हर वर्ष ऐसे घटनाओं में अब बढ़ोतरी होती जा रही है। वैसे अगर हम पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं पर ध्यान दें तो देश के विभिन्न हिस्सों से कांवड़ियों के भेष में आने वाले कुछ हुड़दंगियों का उद्देश्य ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने का ही होता है। जो जहरीली मंशा इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन व शिव भक्त कांवड़ियों की सतर्कता के चलते व भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से हर वर्ष विफल हो जाती है। वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म 'सनातन धर्म' के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। लेकिन श्रावण मास भगवान शिव का अतिप्रिय होने के चलते भगवान भोलेनाथ के भक्त भक्ति भाव से ओत-प्रोत होकर के श्रावण मास में कांवड़ लेने अधिक संख्या में जाते हैं, यह स्थिति कांवड़ लाने वाले देश के हर क्षेत्र में रहती है। विशेषकर उत्तराखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो पवित्र श्रावण मास में करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़िए सैकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके कांवड़ लाकर के भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। इस उद्देश्य से ही देश के विभिन्न हिस्सों में सनातन धर्म के करोड़ों अनुयाई देवाधिदेव भगवान महादेव के अतिप्रिय माह श्रावण मास के शुरू होते ही शिव भक्त कांवड़ लेकर अपने आराध्य भगवान शिव का जलाभिषेक करने निकल पड़ते हैं। इस दौरान उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के बहुत सारे जिलों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गुजरने वाली कांवड़ियों की सुरक्षा करना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। उत्तराखंड के गोमुख से लेकर के ऋषिकेश, हरिद्वार व उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद आदि में यूपी, दिल्ली हरियाणा, पंजाब व राजस्थान आदि राज्यों के कांवड़ियों को व्यस्त सड़क पर जल ले जाते समय सुरक्षा देने में इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन को संसाधनों की पूरी ताकत झोंकनी पड़ती है और अगर जरा सी भी कोई घटना यात्रा मार्ग में घटित हो जाये तो सिस्टम व आम जनमानस दोनों के हाथ-पांव बुरी तरह से फूल जाते हैं।

अयोध्या: अस्पताल जाकर रेप पीड़िता के परिवार को धमकाया सपा नेता पर केस, बुलडोजर एक्शन की भी तैयारी

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5317

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5316

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5317

संकेत: बाएं से दाएं

1. 29 अप्रैल 1639 को दिल्ली में इस महत्वपूर्ण इमारत की नींव रखी गई (4)
4. यह उड़ीसा राज्य का परिवर्तित नाम है (3)
6. काबिल, योग्य, समर्थ (3)
7. उर्दू का एक अक्षर, अलफ (2)
8. धरोहर, किसी को कोई वस्तु सुपुर्द करना (4)
9. 26 मार्च 2019 को इस अभिनेत्री व नेत्री ने भाजपा का दामन थाम लिया (4)
13. [illegible] (3)
14. हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (जन्म 4 अगस्त 1932)(4)
16. कोई आपराधिक घटना, कोई दिलचस्प प्रसंग (3)
17. किसी वस्तु आदि के जले हुए अंश, भस्म (2)
20. [illegible] (2)
21. कार्तिक शुक्ल द्वितीय को होने वाले भाई दूज पर्व को यह भी कहा जाता है (5)
26. पंजाब की पांच नदियों में से एक (2)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना करने वाले भारत के जैन धर्म के अनुयायी एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी जिन्हें पंजाब केसरी भी कहा जाता है (8)
2. ध्यान में लीन होना, संलग्न (2)
3. जोर देकर पैर से ठोकर मारने की क्रिया (2)
4. भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र (7)
5. राज से संबंधित, राजकीय, सरकारी (2)
7. [illegible] (2)
8. चुकता किया हुआ, मोहित करने का प्रभाव (2)
10. मित्र, दोस्त, उपजाति (2)
11. तीक्ष्ण, तेजस्वी, प्रबल (3)
12. यह मलेशिया का प्राचीन नाम है (3)
15. क से ह तक की वर्णमाला (4)
18. अलबेला, बांका, अलबेलित (4)
19. एक बहुमूल्य रत्न, हमारे प्रथम प्रधानमंत्री के पिता (सिर्फ आरंभिक नाम) (2)

वर्ग पहेली 5316 का हल

कु	दी	र	जी		आ	त	क
ल	ग	न	व	ट		मी	त
ना	ल		न	क	ब	अ	न
फ		अ		रा	ल		
ल	क	ख		क	बा	य	द
ना	न	क		र		मू	
	सा			ती	टा	ना	
श्री	र		भू	टा	न		

अनुभवहीन नगर परिषद के जिम्मेदार और इंजीनियर यश निगम के कारण...

नगर की जनता जान जोखिम में डालकर मार्ग से गुजर रही

सुवासरा, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर में बन रहे ओवर ब्रिज और सुवासरा गांव से लेकर 52 क्वार्टर तक बनने वाले डिवाइड का काम प्रगति पर है। लेकिन निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बाद से ही इस मार्ग पर आवागमन में नगर और क्षेत्र की जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड रहा है। नगर का मुख्य प्रवेश द्वार होने के कारण यहां से सभी वाहनों की आवाजाही होती है, इसके साथ ही नगर का एक और प्रवेश द्वार रेलवे अंडर ब्रिज है जहां बारिश के दिनों में पानी की अधिकता होने के कारण वहां से आवागमन बंद हो जाता है। ऐसे में नगर वासियों एवं क्षेत्र वासियों के लिए नगर के अंदर आने और बाहर जाने के लिए रेलवे फाटक वाला मार्ग ही मुख्य हो जाता है। और इसी मार्ग पर ओवरब्रिज और डिवाइडर रोड का काम चल रहा है। ओवर ब्रिज का काम शुरू होने से पहले एक बार फिर परिषद और इंजीनियर की लापरवाही सामने आई है। यहां पर प्रशासन और परिषद ने वैकल्पिक मार्ग की कोई व्यवस्था नहीं की है। जिससे कि काम शुरू होने वाले दिन से ही यहां पर वाहनों का जाम लग जाता है और बारिश में तो और ज्यादा मुसीबत हो गई है। क्योंकि इसी मार्ग पर डिवाइडर रोड के लिए ठेकेदार ने अपना काम शुरू कर दिया है और एक लाइन में सीसी रोड बनाकर छोड दिया है दूसरी लाइन में बारिश शुरू होने के कारण काम चालू नहीं हो सका और रोड भी खुदा हुआ पडा है। पिछले दो दिन से क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश से इस पूरे मार्ग में जहां रोड बनाने के लिए खुदाई की थी उसी मार्ग ने नदी का रूप ले लिया है।वहां पर जल भराव हो गया है। और इसकी पानी का निकासी का भी कोई रास्ता परिषद को नहीं समझ आ रहा है। अब इधर से यात्री बस, चार और दो पहिया वाहन और आम जनता का आवागमन इसी मार्ग से हो रहा है। ऐसे में सभी को बडी परेशानी का सामना करना पड रहा है। नगर परिषद इंजीनियर की लापरवाही के कारण फिर एक बार नगर की जनता संकट में है। जानकारों का कहना है कि जब ओवरब्रिज का काम शुरू हो गया था और बारिश का समय चल रहा है तो ऐसे में अभी सड़क बनाने का काम शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लेकिन परिषद ने जल्दबाजी में ठेकेदार को वर्क ऑर्डर देकर काम भी शुरू करवा दिया। जिसका खामियाजा पूरे नगर की जनता को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि की उदासीनता का भी नुकसान नगर और क्षेत्र को हो रहा है। पिछले एक सप्ताह से इस मार्ग पर कीचड और पानी के कारण वहां लगातार जाम लग रहा है। लेकिन प्रशासन शासन का इस पर कोई असर नहीं दिख रहा है। शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर विजय पाटीदार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को देखा उसके बाद सेतु विकास निगम के अधिकारी प्रवीण नरवरे से इस समस्या के बारे में चर्चा की जिसके बाद डॉक्टर पाटीदार ने बीती रात और अगले दिन मौके पर उपस्थित रहकर गिट्टी की चुरी डलवाई। जिससे ब्रिज के और रेलवे फाटक के आसपास कुछ हद तक लोगों को आने-जाने में राहत मिली। लेकिन अस्पताल परिसर और नगर परिषद कार्यालय के सामने स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहां पर खुदाई किए हुए मार्ग ने नदी का रूप ले लिया और रविवार को जब सुबह से ही नगर में तेज बारिश हो रही थी तो रोड पर बढ़ते पानी को देखते हुए परिषद के कुछ कर्मचारी हरकत में आए। और सी एम ओ की मौजूदगी में कर्मचारियों ने कॉलेज के नजदीक बने छोटे नाले की ओर पानी का निकास करवाया।

अनुभवहीन नगर परिषद के जिम्मेदार और इंजीनियर के कारण पूरे नगर की जनता अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजर रही है। लेकिन अभी भी जो क्षेत्र के जवाबदारी जनप्रतिनिधि हैं वह केवल तमाशा देख रहे हैं। जब इस पूरे मामले को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर बलराम परिहार से बात की गई तो उनका कहना था की परिषद में निर्माण के दौरान वैकल्पिक मार्ग को लेकर कोई बात नहीं हुई और अभी इस मार्ग पर जो भी समस्या हो रही है उसको परिषद के अधिकारी कर्मचारी हल करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। परिषद के जवाबदारों को चाहिए की वे प्रशासन की मदद से यहां पर जनता की सुरक्षा के लिए दो व्यक्तियों को नियुक्त करे जिससे कि यहां जाम जैसी स्थिति नही बने।

इनका कहना...

ओवरब्रिज और सडक निर्माण के ठेकेदारों में आपसी तालमेल का अभाव है जिस कारण से इस मार्ग पर यह समस्या बन रही है इसके साथ ही नगर परिषद के जवाबदार अधिकारियों कि इस निर्माण को लेकर कोई भी मॉनिटरिंग नहीं हो रही है। जिससे कि आए दिन जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डॉ विजय पाटीदार अध्यक्ष प्रतिनिधि जिला पंचायत मंदसौर

रविवार के दिन बारिश का पानी जमा होने के बाद में अपने कर्मचारियों के साथ मैंने स्वयं ने पानी बाहर करने के लिए व्यवस्था की थी। और आगे कोई समस्या नहीं हो इसके लिए ठेकेदार को निर्देशित किया जाएगा।

संजय सिंह राठौड़ सीएमओ नगर परिषद सुवासरा

देवडूंगरी मां गार्डन में सामाजिक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण किया

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पौधारोपण कर उनके संरक्षण करना सबसे महत्पुण दायित्व होता है, जो भी संस्थाएं पौधरोपण मे सहभागीता करे उन्हे पौधा संरक्षण का दायित्व निभाना चाहिए अन्यथा पौधरोपण निरर्थक है उक्त बात हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर रेवास देवडा रोड़ स्थित देवडूंगरी माता के मंदिर क्षेत्र मे मां गार्डन मे सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित वृहद पौधारोपण करते मालवा स्वामी पं. कृष्णवल्लभ शास्त्री ने कही। इस अवसर पर सांसद प्रतिनधी गौरव अगवाल ने कहा की पौधा रोपण से हरियाली बढ़ेगी तो मां के मंदिर क्षेत्र की पहाडीयां मनमोहक होगी और प्रकृति के नजारें के साथ ही आंगतुक भक्तों को मातारानी के दर्शन का लाभ मिलेगा। विगत एक माह से चल रहे देवडूंगरी माताजी के दरबार मे 4 अगस्त 2024 रविवार को प्रात: 10.30 बजे महाआरती दर्शन के बाद व 11.30 बजे मां गार्डन देव डूंगरी माताजी मंदिर परिक्षेत्र मे एक पौधा मां के नाम जन एवं संस्कृति समिति एवं रूरल पब्लिक सर्विसेस संस्था, एवीएस ग्रुप सेवा संस्था, प्रियदर्शन सामाजिक संस्था, डबको, एमआईटी प्रोफेसर परिवार, ग्राम पंचायत दाउदखेड़ी द्वारा संयुक्त वृहद पौधारोपण किया गया। सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा प्रदान राशि से विकसीत मां गार्डन मे गड्डेखोदने के साथ ही पौधों की व्यवस्था जन एवं संस्कृति समिति द्वारा की गई।

ये रहे मां गार्डन मे पोधारोपण मे शामिल-हरियाली अमावस्या पर मां गार्डन मे कई धर्म प्रेमी माताजी के भक्त एवं पर्यावरण प्रेमी स्वयंसेवी तथा सामाजिक संगठनों के आहवान पर पौधरोपण कार्यक्रम मे भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, जनपद सदस्य शिवराजसिंह राणा घटावदा, सांसद प्रतिनिधी गौरव अग्रवाल, बंशी राठौर, मालवा स्वामी पंडित कृष्णवल्लभ शास्त्री, मनीष भावसार, राधेश्याम मारू पत्रकार, सरपंच दिनेश जाट, सरपंच ईश्वर जाट, जगदीश बैरागी, उषा सौलंकी, दिनेश सौलंकी, नरेन्द्रसिंह राठौर, बंसतीलाल भाटी, सुरेश बैरागी, कन्हैयालाल बैरागी, पण्डा ईश्वर मीणा, मातारानी के घोला बंशीलाल, विघुतलता गुप्ता, रामेश्वर सौलंकी, रामजी आदी ने मां के नाम एक पौधा रोपण कार्यक्रम मे सहभागिता की गई।

राजस्व महाअभियान अंतर्गत कल निम्न गांवों में लगेगा कैम्प

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अनुविभागीय अधिकारी उपखंड मंदसौर द्वारा बताया गया कि राजस्व महाअभियान (2.0) 31 अगस्त 2024 तक कैम्प आयोजित किये जाएगें। जिसके अंतर्गत हल्के के ग्रामों में बी-1 वाचन, नक्शे में तरमीम, पीएम किसान का सेचुरेशन, समग्र आधार से ई केवायसी, खसरा से समग्र आधार से लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री का सीमांकन, नामातरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, स्वामित्व योजना, पीएम किसान ई-केवायसी, डीबीटी का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाना है। जिसके अंतर्गत 6 अगस्त को अमलावद, धाकडखेडी, खंडेरियामारू, बाग्या, लच्छाखेडी एवं झावल में कैम्प आयोजित किये जाएगें।

जिला पंचायत स्थायी समिति की बैठक 16 को

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 16 अगस्त 2024 को जिला पंचायत सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी।

नवांकुर संस्था बाजखेड़ी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. जन अभियान के तत्वाधान मे नवांकुर संस्था बाजखेडी द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य मे ग्राम बाजखेडी शमशान घाट एवं कब्रिस्तान, ईदगाह परिसर में पौधारोपण एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम किया गया। जिसमे अतिथि जनपद अध्यक्ष बंसत शर्मा, पंचायत सरपंच ललिता, उपसरपंच प्रतिनिधी मुबारिक भाई, हाजी अययुब सदर, हबीब, लाला भाई बाजखेडी, इब्राहीम भाई गहतोद, सद्धाम हुसेन, मनसाब अली, मासुम अली, शब्बीर भाई, एघ नवांकुर संख्या संरच शब्बीरभाई, नवांकुर, सचिव मनु भावसार नवांकुर संस्था के सभी सदस्य एं ग्रामीणजन आदि मौजुद थे।

आध्यात्मिक चेतना अभियान की संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषियानंद आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष श्री कृष्णकुमार जोशी ने कहा कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की परम्परा है। आपने कहा कि श्रीमद् भगवत् गीता मे श्रीकृष्ण का यह संदेश कि वृक्षो में मै पीपल हूं, पेड पौधो के प्रति मानव प्रेम की प्रेरणा है। पर्यावरण संरक्षण के बिना मनुष्य का सुखद जीवन संभव नही है। हरियाली अमावस्या को पर्व के रूप मे मनाने का निहितार्थ पर्यावरण संरक्षण ही है। श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि आत्म स्तुति और परनिन्दा स्वभाव की विकृति है जो परस्पर सद्भाव को कम करती है। ईष्र्या एवं अनावश्यक स्पर्धा को प्रोत्साहन देती है। व्यक्तित्व के विकास मे बाधक है। अहंकार, क्रोध, रोग, प्रमाद और आलस्य ज्ञानार्जन मे बाधक है। युवा, प्रौढ एवं वृद्ध सभी आयु के व्यक्तियों को इन बुराईयो से दुर रहकर सतत् ज्ञानार्जन का पुरूषार्थ करना चाहिये ताकि व्यक्तित्व सदुणो से सम्पन्न बन सके। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि जीवन के सही लक्ष्यो का निर्धारण उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये सही कार्य योजना का नियोजन और निरंतर लक्ष्य प्राप्त करने के लिये पुरूषार्थ

सफलता के सूत्र है। श्री यशवंत प्रजापति ने शुभ सन्देश का वाचन किया। श्री राजकुमार जसवंत, श्री सत्यनारायण भूरिया एवं श्री विनोद चैबे ने विचार एवं गीत भजन प्रस्तुत किये। श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री प्रवीण गुप्ता, श्री लक्ष्मीनारायण कोठारी, श्री अनिल बड़िया, श्री प्रहलाद मालवीय, श्री वासुदेव खेमानी, श्री धर्मेन्द्र चैहान, श्री जितेन्द्र भाटी, श्री आयुष मोदी, श्री नदीम बेग, श्री प्रभुलाल हिन्दल ने संवाद मे सहभागिता की। संचालन आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने एवं आभार प्रदर्शन आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने किया।

सहकारी सोसायटी के किसानों से ऋण वसूली के लिए राजस्व विभाग द्वारा नोटिस जारी करना उचित नहीं-गुर्जर

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्री किसान नेता महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि वर्ष 2018-2019 में तत्कालीन मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रथम केबिनेट बैठक में किसानों के 2 लाख रुपये तक बकाया ऋण माफ करने का निर्णय लिया था। तब प्रदेश के लगभग 55 लाख किसानों के ऋण माफ हुए थे और शेष बकाया किसानों के ऋण माफ करने की चरणबद्ध प्रकिया जारी थी।

श्री गुर्जर ने कहा कि विगत 5 साल की अवधि में शेष किसानों से बकाया ऋण वसूली के लिए मध्यप्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का प्रथम सूचना पत्र किसानों को जारी नही किये गए हैं। अब वर्तमान मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व विभाग के न्यायालय द्वारा सीधे किसानों को म.प्र. भू- राजस्व सहिंता 1959 की धारा 146 के तहत ऋण वसूली के नोटिस दिये जा रहे हैं जो कि न्याय संगत नही है। इस सम्बंध में श्री गुर्जर ने माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि तत्कालीन मध्यप्रदेश सरकार की केबिनेट बैठक के निर्णय अनुसार शेष बकायादार किसानों को ऋण माफी योजना में शामिल कर उचित राहत प्रदान की जावे। श्री गुर्जर ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार ने किसानों की आय को वर्ष 2022 तक दो गुना करने का संकल्प लिया था लेकिन आज तक किसानों की आय दोगुना करना तो कोसों दूर रह गया है उल्टे अन्नदाता किसानों को राहत देने के बजाय मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राजस्व विभाग के माध्यम से किसानों को नोटिस जारी कर असंवैधानिक और मानसिक रूप से दबाव डालकर वसूली के प्रयास करना कदापि उचित नहीं है। श्री गुर्जर ने इस सम्बंध में मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, सहकारिता मंत्री, मुख्य सचिव, कृषि सचिव, आयुक्त सहकारिता, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सांसद विवेक तनखा, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को पत्र भेजकर तत्काल प्रभाव से अन्नदाता किसानों से न्यायालय कार्यवाही द्वारा जबरन वसूली के मामले में संज्ञान लेकर किसानों को राहत प्रदान करने का अनुरोध किया है।

मंदसौर ने ठाना है तिरंगा यात्रा में परिवार सहित जाना है...

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या 14 अगस्त को मन्दसौर में भव्य तिरंगा यात्रा निकलने जा रही है, इसे लेकर लगातार बैठकें कर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक से अधिक लोगों को परिवार सहित तिरंगा यात्रा में शामिल होने कि अपील की जा रही है। इसी क्रम में वार्ड नंबर 30, 31, 32, 33, में सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर बैठक रखी गई। बैठक को संबोधित करने तिरंगा यात्रा के प्रभारी भाई गौरव अग्रवाल एवं उनके सहयोगी बंशीलाल राठौड, वार्ड नंबर 33 के पार्षद कमलेश सिसोदिया, विपिन भादविया, जयप्रकाश पमनानी, शौकीन नलवाया, रामप्रसाद ग्वाला, यूसुफ गोरी, सादिक गामा, एहसान कुरेशी, सुमित गवाला, दीपक मालवीय, घनश्याम दास बैरागी, आबिद गोरी ओर तिरंगा यात्रा के सभी साथीगण व वार्ड नंबर 30, 31, 32, 33, के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता युवा कार्यकर्ता बैठक में सम्मिलित हुए और दिनांक 14 अगस्त 2024 को दोपहर 2:00 बजे निकलने वाली तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए अपील की।

वार्ड 6,7,9 में भी बैठक आयोजित हुई-स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या (14 अगस्त) पर निकलने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर वार्ड क्र 6.7.9 में बैठक आयोजित हुई। बैठक में तिरंगा यात्रा को भव्य बनाने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में भाग लेने वाले साथियों ने अपने अपने विचार रखे और इस बार तिरंगा यात्रा को सफल बनाने कि अपील की। बैठक में भूपेंद्र सोनी, निरान्त बग्गा पूर्व पार्षद, सोनू सांखला, दीदी अनीता दवे, हर्ष तोषनीवाल, देवेंद्र चौहान, बंशी राठौड, जगदीश बैरागी, मुकेश माली एवं तीनों वार्ड के वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

बेसिक कोर्स के प्रमाण पत्र हुए प्राप्त, सभी कब मास्टर एवं गाइड कैप्टन सफल

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड जिला संघ द्वारा एक से 7 अक्टूबर 2021 तक को स्मार्ट इंटरनेशनल स्कूल गरोठ में बेसिक कब मास्टर ,बेसिकस्काउटमास्टर और बेसिक गाइड कैप्टन का शिविर आयोजित किया गया था। मध्य प्रदेश भारत स्काउट गाइड भोपाल द्वारा इस शिविर को मान्यता प्रदान कर गई की है और इसमें जो भी शिक्षक सफल रहे हैं उनके प्रमाण पत्र राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बीएल शर्मा द्वारा जिला रॉवर्स कमिश्नर एवं राज्य परिषद सदस्य कोएनडी वैष्णव को भोपाल राज्य मुख्यालय में प्रदान किए गए। जिला मुख्य आयुक्त अंशुल बैरागी ,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभारी मंदसौर, नीमच, रतलाम दीपिका (शिल्पा)बैरागी, जिला आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाबी, सहायक संचालक लोक शिक्षण टेरेसा मिंज जिला गाइड कमिश्नर सलमा शाह सहित सभी पदाधिकारी ने जिले को मिली इस सौगात के लिए सभी बेसिक कोर्स उत्तीर्ण करने वाले स्काउटर गाइडर को बधाई दी और उनसे आग्रह किया है कि जिस प्रकार से पूरे देश में मध्य प्रदेश भारत स्काउट गाइड प्रथम नंबर पर आया है, इस प्रकार

मंदसौर जिले को भी पूरे प्रदेश में स्काउट गाइड की गतिविधियों में प्रथम स्थान पर लाने के लिए ये प्रशिक्षित शिक्षक अपनी अहम भूमिका निभाएं और पूर्व की तरह प्रदेश और देश में अपना नाम रोशन करें।

क्योंकि कोरोना के पूर्व में मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले से लगभग प्रतिवर्ष 10से 12 राज्यपाल स्काउट गाइड तैयार होते थे, किंतु बीच में कुछ वर्षों र्से इसमें कोरोना के कारण शून्यता आ गई है अब पुन: जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने का अनुकरणीय प्रयास करें।

घर लौट रहे मैकेनिक को कार ने टक्कर मारी

नीमच, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नीमच के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत आने ग्वालटोली चौराहे पर शनिवार रात को एक सडक़ हादसा हो गया। जिसमें एक अज्ञात कर चालक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार बरुखेड़ा रोड स्थित सांवरिया नगर निवासी ललित पिता बाबूलाल जाति यादव गुप्ता हॉस्पिटल की पुलिया के समीप मैकेनिक के कार्य करता है। यहां से वह शनिवार को रोजाना की तरह अपने घर जा रहा था। इसी दौरान ग्वालटोली चौराहे पर एक लापरवाही अज्ञात कार चालक जो कलेक्ट्रेट की ओर से आ रहा था, उसने जोरदार टक्कर मार दी।इस हादसे में बाइक सवार ललित गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसे निजी वाहन से जिला चिकित्सालय राहगीरों द्वारा ले जाया गया है। वही कर चालक मौके से डाक बंगले की ओर फरार हो गया है। बताया जा रहा है कि घायल के सिर और पांव में गंभीर चोट आई है। फिलहाल घायल का जिला चिकित्सालय में उपचार जारी है।

मैनपुरिया चौराहा पर कई दिनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट

मेनपुरिया, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका द्वारा नगर के सौंदर्यीकरण के साथ साथ रात में सुगमता को लेकर लाखों रुपए खर्च कर एलईडी लाईट लगाई गई। वही नगर के मुख्य चौराहा एवं सड़कों पर रोशनी के लिए स्ट्रीट लाईट लगी हुई है। मेनपुरीया निवासी , दुर्गेश धनगर , बताया कि जिम्मेदारों की लापरवाही इस कदर बनी हुई है। कि जहां पिछले कई दिनों से मैनपुरीया चौराहे पर नीमच मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाईट बन्द पडी है। सावन माह में कहीं भक्तजन , अष्टमुखी महादेव भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने आते हैं। वही रात के समय कई वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं व लापरवा नगर पालिका प्रशासन को परवाह नहीं है जिम्मेदार मोन।।

थोड़ा समय निकालें, माटी का कर्ज चुकाएं-इंजी.जैन

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिस मिट्टी में हमने जन्म लिया। जिस मिट्टी में हम खेले कूदे व बड़े हुए। जिस नगर ने हमें मान सम्मान एवं पहचान दी। उसके प्रति हमारा प्रथम दायित्व बनता है कि हम सब मन्दसौरवासी मिलकर इसे प्रदूषण मुक्त बनाकर स्वच्छ व सुन्दर बनाने में योगदान दें। साथ ही जल संकट से बचने के लिए अपने भवन पर 'जल पुनर्भरण तकनीक' की स्थापना हेतु अनुराग संस्था से नि:शुल्क मार्गदर्शन प्राप्त करें। नवीन भवन निर्माता, भवन निर्माण से पूर्व तकनीक की स्थापना हेतु सम्पर्क करें ताकि बिना अतिरिक्त खर्च के तकनीक की स्थापना की जा सके। उक्त बात वरिष्ठइंजीनियर एस. के. जैन ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पदयात्रा में राजेश मेडतवाल, हरिशंकर शर्मा, ब्रजेश सनाढ्य, इंजी. सुनील व्यास, श्रीचंद भावनानी, सत्यनारायण सरगरा, रामचन्द्र रैकवार, रमेश सोनी, अजीजुल्लाह खान, वीरेंद्र भट्टआदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

दिनांक 05अगस्त 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे- ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

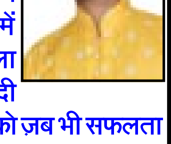

✲ जन्मकुंडली में अंगारक दोष के प्रभाव से जातक बहुत ही क्रोधि, हठी तथा उग्र हो जाता है, वह हर समय अपनी ही जिद्द पर अड़ा रहता है,अधिकतर कार्यो में असफलता प्राप्त करता है, लेकिन उसमे पराक्रम, हौसला एवं आत्मविश्वास अधिक रहता है। भूमि भवन, विवाहादी मांगलिक कार्य सम्पन्न होने मे दिक्कते आती है। ऐसे जातक को ज़ब भी सफलता मिलती है उच्च स्तर की मिलती है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर 7024667840,8085381720

कबीरवाणी नशामुक्त समाज निर्माण की प्रेरणा देती है-गेहलोत

कुकड़ेश्वर में कबीर सत्संग में शामिल हुए राज्यपाल गेहलोत

नीमच, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। संत कबीर की वाणी आज भी प्रासंगिक है। कबीर साहेब के दोहे व बताए मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। कबीरवाणी व्यसन मुक्त नशामुक्त समाज बनाने की प्रेरणा देती है। यह बात कर्नाटक के महामहिम राज्ययपाल डॉ.थावरचंद्र गेहलोत ने रविवार को नीमच जिले के कुकडेश्वर में संत श्री असंगदेव जी के मुखारबिंद से कबीर के है राम सुखद सत्संग में शामिल होकर कही। इस मौके पर संत श्री असंगदेवजी, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, श्री दिलीप सिह परिहार, पूर्व विधायक श्री जितेन्द्र गेहलोत एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री अशोक खीची, महावीर क्लब के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

हरियाली महोत्सव पर कुकडेश्वर के पटवा मांगलिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गेहलोत, सांसद श्री गुप्ता, विधायक श्री परिहार, श्री मारू ने संत श्री असंगदेवजी एवं उपस्थित अन्य संतगणों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। कार्यक्रम संयोजक श्री अशोक खीची, श्री नरेंद्र राठोर, महावीर क्लब कुकडेश्वंर के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रांरभ में राज्यपाल श्री गेहलोत एवं अतिथियों ने श्री कबीर दास जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। राज्यपाल श्री गेहलोत एवं उपस्थित अतिथियों ने एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत पटवा मांगलिक भवन परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, कार्यक्रम संयोजक श्री अशोक खीची, पूर्व विधायक श्री जितेन्द्र गेहलोत ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, सीएसपी श्री अभिषेक रंजन, एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया, एसडीओपी श्री विमलेश उईके व अन्य अधिकारी, न.प.के अध्यक्ष उर्मिला महेन्द्र पटवा, श्री उज्ञवल पटवा व पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के सरपंचगण, गणमान्य नागरिक एवं बडी संख्या में कुकडेश्वर एवं क्षेत्र के ग्रामीणजन एवं महिलाएं उपस्थित थी।

सब मिल बोले ...

बम बम भोले
शिव है आदि
शिव ही अनादि
शिव हैं अनंत
है शिव भगवंत
शिव से बड़ा
न कोई देव
शिव ही हैं
सबके महादेव
शिव तांडव से
ब्रह्मांड भी डोले
सब मिल बोले
बम बम भोले

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

मप्र में नगरीय सीमा में आने वाले उद्योगों को राहत, नहीं लिया जाएगा संपत्ति कर

भोपाल, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार अलग-अलग अधिनियमों में कई परिवर्तन कर रही है। नगरीय सीमा के भीतर आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों से दोहरा कर वसूला जाता है। नगरीय निकाय भी संपत्ति कर(प्रापर्टी टैक्स) लेते हैं और उन्हें लीज रेंट भी देना होता है। औद्योगिक संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों की सीमा के भीतर आने वाले औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इकाइयों को प्रॉपर्टी टैक्स में छूट देने जा रही है। हालांकि, इनसे सेवा शुल्क लिया जाएगा, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना आधा होगा। इसके लिए टैक्स में छूट का प्रस्ताव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और वित्त विभाग से अभिमत लेकर कैबिनेट में अंतिम निर्णय के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

रोजगार बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल-प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने के लिए सरकार नियमों को उद्योगों को अनुकूल बना रही है। अभी नगरीय क्षेत्र की सीमा में आने वाले औद्योगिक केंद्रों में स्थापित उद्योगों से संबंधित नगरीय निकाय प्रापर्टी टैक्स लेते हैं। इसके लिए उन्हें मध्य प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1956 और मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 में प्रविधान हैं। जबकि, वर्ष 2013 में सरकार मध्य प्रदेश निवेश क्षेत्र विकास और प्रबंधन अधिनियम में यह प्रावधान कर चुकी है कि औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों से प्रॉपर्टी टैक्स नहीं लिया जाएगा। इसके बाद भी स्थानीय निकायों द्वारा न केवल टैक्स वसूला जा रहा है बल्कि न देने पर कार्रवाई भी हो रही है। विभिन्न औद्योगिक संगठन दोहरे कराधार को समाप्त करने की मांग सरकार से कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न औद्योगिक संगठनों के अलावा उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा भी कर रहे हैं। इसमें उन्होंने आश्वस्त किया है कि नियमों के कारण किसी उद्योगपति को प्रदेश में उद्योग लगाने में कठिनाई नहीं होगी।

टैक्स में छूट देने का प्रस्ताव-मुख्यमंत्री की पहल के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्य प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 163 और नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 132 के प्रावधान अनुसार उद्योगों को प्रॉपर्टी टैक्स में छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया है। सूत्रों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इकाइयों से प्रॉपर्टी टैक्स नहीं लिया जाएगा पर उन्हें सेवा शुल्क देना होगा। यह जलकर, स्वच्छता सहित अन्य सुविधाओं के लिए जो शुल्क देना होता है, वह अन्य क्षेत्रों की तुलना में आधा ही लगेगा।

औद्योगिक इकाइयों से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का प्रापर्टी टैक्स लिया जाता है। इस टैक्स से उद्योगों को मध्य प्रदेश निवेश क्षेत्र विकास और प्रबंधन अधिनियम में प्रविधान कर राहत दी गई थी, पर इसकी अधिसूचना ही अब तक जारी नहीं की गई है। इस कारण नगरीय निकाय अपने प्रावधिन के अनुसार टैक्स ले रहे हैं। हम उद्योग की भूमि को फ्री-होल्ड करने की मांग कर चुके हैं पर इस ओर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। यदि प्रदेश में निवेश को बढ़ावा दिया जाना है तो विभिन्न करों से राहत देना चाहिए।

-गौतम कोठारी, अध्यक्ष, पीथमपुर औद्योगिक संगठन

अब सितंबर में होगी परीक्षा, नया टाइम टेबल जारी

जबलपुर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 की नर्सिंग पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष की परीक्षा तिथि लगभग सवा महीने आगे खिसका दी है।

यह परीक्षा अब सितंबर में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। 29 जुलाई को उच्च न्यायालय ने अपात्र नर्सिंग कालेजों के छात्र-छात्राओं को भी परीक्षा में सम्मिलित करने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के अंतर्गत संबंधित कालेजों के छात्र-छात्राओं को परीक्षा पूर्व नामांकन जारी किया जाना है। प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए विश्वविद्यालय ने छह अगस्त से प्रस्तावित प्रश्न पत्रों को स्थगित कर दिया है। अब नए तिथि पर अगले माह परीक्षा का आयोजन होगा। पूर्व में प्रथम वर्ष की पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की परीक्षा छह अगस्त, बीएससी नर्सिंग की आठ अगस्त और एमएससी नर्सिंग की 18 अगस्त से आयोजित करने की घोषणा की गई थी।

ये रहा है मामला-विश्वविद्यालय ने सीबीआइ जांच में पात्र मिले 169 और डेफिसिट (कुछ कमियों वाले) 73 नर्सिंग कालेजों के सत्र 2021-22 के छात्र-छात्राओं की परीक्षा कराने की तैयारी की थी। अब सीबीआइ जांच में अपात्र मिले 66 नर्सिंग कालेज के छात्रों को भी परीक्षा में सम्मिलित करने का निर्णय हुआ है। वहीं, ग्वालियर-चंबल संभाग के लगभग 130 नर्सिंग कालेजों ने सीबीआइ जांच के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय से स्टे लिया हुआ है। ऐसे में अब समस्त श्रेणी के 450 नर्सिंग कालेजों की परीक्षा एक साथ होगी। लगभग 30 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे। राहत पाने वाले नर्सिंग छात्र-छात्राओं के नामांकन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

नौ सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन-विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 के प्रश्न पत्र की तिथियों को परिवर्तित करते हुए परीक्षा आवेदन की तिथि भी संशोधित की हैं। छात्र-छात्राओं को बिना विलंब शुल्क के नौ सितंबर तक आवेदन करने का स्वीकार किया है।

इसके बाद दो दिन पांच सौ रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन की प्रक्रिया आनलाइन होगी। पोर्टल पर अपलोड किए गए प्रवेशित छात्रों के नाम, अर्हता, नामांकन एवं अन्य विवरण के परीक्षण का दायित्व कालेज प्रबंधन का होगा। गड़बड़ी के लिए संबंधित कालेज के प्राचार्य उत्तरदाई होंगे। न्यायालय के निर्देशानुसार नर्सिंग की सत्र 2021-22 की परीक्षा की तैयारियां आरंभ कर दी गई है। इन परीक्षा में और विलंब ना हो इसलिए कार्यपरिषद पूर्व में ही समस्त छात्रों के हित में निर्णय कर चुकी है। शेष रह गए कालेजों के छात्र-छात्राओं के नामांकन की प्रक्रिया के लिए कुछ समय चाहिए था। इसलिए परीक्षा तिथियां संशोधित की गई हैं। नवीन कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय पर परीक्षा होगी। - डॉ. पुष्पराज सिंह बघेल, कुलसचिव, मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय

प्रश्न पत्र की नई तिथियां-✻ पाठ्यक्रम का नाम : परीक्षा का आयोजन ✻ बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष : 20 सितंबर से तीन अक्टूबर। ✻ एमएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष : 24 सितंबर से तीन अक्टूबर। ✻ पीबीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष : 19 सितंबर से नौ अक्टूबर।

क्षत्रिय मालवा खटिक सेना के तहसील अध्यक्ष बने सांखला

गरोठ, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। खटीक समाज के गरोठ तहसील अध्यक्ष को लेकर रविवार को दोपहर 2:00 बजे प्रदेश से पधारे क्षत्रिय खटीक समाज सेना के प्रदेश अध्यक्ष रूपलाल खींची की अनुशंसा पर संभाग प्रमुख मनोज सांवलिया प्रदेश कार्यकारी समिति सदस्य लालू खींची कार्यकारी सदस्य रमेश डीडवाना ने गरोठ समाज के वरिष्ठ सदस्यों राजू भलवारा ठेकेदार,ओम प्रकाश सांखला शिक्षक, किशोर भलवारा,प्रहलाद सांकला,जीवन सांकला पत्रकार,परसराम सांकला मुकेश सांकला के लंबी मंत्राणा के बाद गरोठ तहसील अध्यक्ष के लिए राजू भाई भीलवाड़ा के निवास पर चली बैठक में भाई महेश सांकला पत्रकार का नाम पर लगी मोहर और प्रदेश से पधारे प्रदेश अध्यक्ष रूपलाल खींची को नाम दिया और तहसील अध्यक्ष पत्रकार महेश सांकला को किया साथ ही सभी की सहमति से गरोठ नगर अध्यक्ष के लिए हेमंत सांकला को मनोनीत किया गया सभी वरिष्ठों ने आशीर्वाद रूपी शुभकामनाएं प्रेषित की इसी के साथ ही तहसील अध्यक्ष ने बताया कि खटीक समाज को आगे बढ़ाने के लिए जो भी संभव प्रयास होंगे वह किए जाएंगे समिति को और मूर्त रूप देने के लिए बहुत जल्द समाज के वरिष्ठों के साथ मंत्रणा कर एक बैठक आहूत की जाएगी। इसी के साथ शामगढ़ तहसील अध्यक्ष महेंद्र पहाड़िया बागुनिया नगर अध्यक्ष चंदावासा सुनील समेरिया,नगर अध्यक्ष बागुनिया परसराम पहाड़िया को बनाया गया

संपदा-2 : अब हाथ में नहीं, मोबाइल पर मिलेगी रजिस्ट्री

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अब संपदा-2 सॉफ्टवेयर में पक्षकार को रजिस्ट्री का प्रिंट नहीं मिलेगा। पक्षकार के मोबाइल पर ई- रजिस्ट्री पहुंचेगी। रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू होने पर हर स्टेप पर ओटीपी की जरूरत होगी। बिना ओटीपी के रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी।

आधार या पैनकार्ड से भी रजिस्ट्री लिंक होगी। इसके साथ ही संपत्ति भी आधार और पेनकार्ड से लिंक हो जाएगी। यदि आधार या पैनकार्ड नहीं है, तो पक्षकार के डिजिटल सिग्नेचर बनेंगे। इसके अलावा पक्षकार खुद भी रजिस्ट्री कर सकता है, इसके लिए सर्विस प्रोवाइडर की जरूरत नहीं पड़ेगी।पंजीयन विभाग में 15 अगस्त से संपदा-2 सॉफ्टवेयर लागू हो रहा है।नए सॉफ्टवेयर में सर्विस प्रोवाइडर प्रमुख है। पारदर्शिता के लिए ओटीपी जरूरी है। आधार में मोबाइल नंबर दर्ज होना जरूरी है। उप पंजीयकों के बाद अब सर्विस प्रोवाइडरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

डीड होने से पहले पहुंचेगी जानकारी-यदि किसी पक्षकार की रजिस्ट्री हो रही है। रजिस्ट्री का जो लेखन किया गया है, डीड संपादित होने से पहले पूरा मैटर पक्षकार के पास मोबाइल या मेल पर पहुंचेगा। वह रजिस्ट्री को पहले खुद पढ़ सकता है।वर्तमान में संपत्ति के फोटो अपलोड किए जाते हैं, लेकिन अब गूगल से लोकेशन ली जाएगी। प्रॉपर्टी की आइडी होने से स्टाम्प शुल्क की चोरी रुकेगी। क्योंकि सेटेलाइट से संपत्ति दिख जाएगी। कितने मंजिल मकान बना है या प्लॉट है। सडक़ पर है या सडक़ से हटकर संपत्ति है।रजिस्ट्री के लिए दो गवाह की जरूरत होती है, लेकिन अब गवाह की जरूरत नहीं पड़ेगी। आधार से फोटो व नाम लिया जाएगा। संपत्ति आधार से भी लिंक हो जाएगी।

यह होंगे बदलाव-संपत्ति की रजिस्ट्री कराने में अभी दो गवाह की जरूरत होती है, लेकिन संपदा-2 में गवाह की जरूरत नहीं पड़ेगी। हाउसिंग बोर्ड, उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, एमएसएमई को रजिस्ट्रार के अधिकार मिलेंगे, ताकि प्रॉपर्टी को बैंक में बंधक बनाने में परेशानी न हो। अब एक क्लिक पर संपत्ति की रजिस्ट्री की जानकारी मिल जाएगी। इससे बेनामी संपत्ति पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी।रजिस्ट्री के बाद नगर निगम को मैसेज जाएगा, जिससे नामांतरण आसान होगा। शुल्क की गणना भी होगी।संपत्ति के विक्रय में जो फर्जीवाड़ा होता है, उसे भी नहीं कर पाएंगे। रजिस्ट्री रिकॉर्ड में रहेगी। जैसे ही दूसरे व्यक्ति को रजिस्ट्री की तो संबंधित को पता चल जाएगा। बेनामी संपत्तियों का भी खुलासा होगा, क्योंकि संपत्ति संबंधित व्यक्ति के आधार पर दिखना शुरू हो जाएगी।

पहाड़ी पर स्थित बाबा धुंधलेश्वर महादेव नगर भ्रमण पर आज निकलेंगे

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन माह के तीसरे सोमवार पर आज ग्राम रेवास देवडा की पहाडी पर स्थित बाबा धुंधलेश्वर महादेव नगर भ्रमण पर निकलेंगे। श्री धुंधलेश्वर महादेव मंदिर से भगवान महादेव की शाही सवारी निकलेगी जिसमें बैंड, ढोल, चलित झांकी, बग्घी के साथ राजसी ठाट-बाट से शाही अंदाज में बाबा अपने भक्तों को दर्शन देगें। यह जानकारी देते हुए धुंधलेश्वर महादेव सेवा समिति के रघुनंदन कुमावत ने बताया धुंधलेश्वर महादेव की शाही सवारी 5 अगस्त सोमवार को निकलेगी, इसमें विशेष रूप से पंडित भीमाशंकरजी शर्मा शास्त्री प्रात: 10 बजे महादेव और उत्तर मुखी बालाजी की साधना करेंगे तत्पश्चात् 10 बजकर 30 मिनट पर धर्म सभा में अपने मुखारविंद से प्रवचन देगें।पंडित श्री शास्त्रीजी के प्रवचनों के बाद बाबा को 5 क्विंटल खिचडी की प्रसाद का भोग लगाकर भक्तों को वितरित किया जाएगा। उसके पश्चात् शाही सवारी निकाली जावेगी, उसमे धुंधलेश्वर महादेव की झांकी के अलावा अनेक आकर्षक मनमोहक झांकियां भक्तों का मन मोहेगी। सवारी का ग्राम रेवास देवडा में अनेक जगह चाय, फलाहारी नाश्ता के रूप में स्वागत किया जाएगा। इसमें हजारों भक्त इसका आनंद रूप में मनमोहक होंगे। धुंधलेश्वर महादेव सेवा समिति ने सभी भक्तों से आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

शहर किला रोड के जर्जर भवनो में निवासरत नागरिकों की जानमाल की सुरक्षा को लेकर...

कलेक्टर अदिति गर्ग से पूर्व विधायक सिसौदिया की दूरभाष पर चर्चा

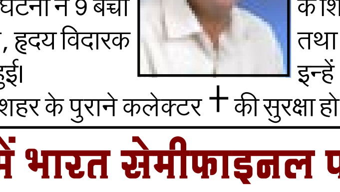

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वर्षा काल में पुराने जर्जर मकान एवं पुरानी दीवारों के धसने की घटनाएं हो जाती है। आज सागर जिले के शाहपुर में भी इसी प्रकार की एक घटना ने 9 बच्चों की जान ले ली, हृदय विदारक घटना घटित हुई।

मंदसौर शहर के पुराने कलेक्टर परिसर में भैंसा पहाड, मर्दादीन मोहल्ला, शेख चौक के मकान जो शिवना नदी के किनारे क्षेत्र में बसे हुए हैं, पहाडी पर बने यह मकान हर साल भूस्खलन के शिकार होते हैं। नगर पालिका तथा जिला प्रशासन हर वर्ष इन्हें नोटिस देकर जान माल की सुरक्षा हो सके, इसको लेकर आग्रह करती है। हर वर्ष निवासरत नागरिकों के मन मस्तिष्क में भय का वातावरण भी निर्मित रहता है। विगत वर्षों में नगर पालिका परिषद ने ऐसे लगभग 65 मकान चिन्हित किए हैं, जो खतरनाक स्थिति में है, हादसे से कभी कह कर के नहीं आते हैं, समझाईश, समन्वय और संवाद किया जाकर नागरिकों को विश्वास में लेकर उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था दिए जाने को लेकर कोई ठोस कार्य किए जाने की आवश्यकता महसूस होती है। इन सारी बातों को लेकर नवागत कलेक्टर अदिति गर्ग को पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने दूरभाष पर विस्तार से जानकारी देते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा नगर पालिका परिषद की संयुक्त साझेदारी में नागरिकों के मध्य विचार विमर्श कर उचित पहल करने की आवश्यकता को लेकर विस्तार से बात कर उचित कार्यवाही का आग्रह किया।

हॉकी में भारत सेमीफाइनल पहुंचा, क्वार्टर फाइनल मैच में ब्रिटेन को शूटऑफ में हराया

नई दिल्ली, 4 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को शूटऑफ में हराया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद दोनों टीमों के बीच शूटऑफ खेला गया। भारत ने ब्रिटेन ने शूटऑफ में 4-2 से हराया। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इस मैच की खास बात यह रही कि भारत मैच के ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेला।

आजादी के बाद भारत का पहला गोल्ड ग्रेट ब्रिटेन को हराकर आया था। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को ही हराया था। यानी इतिहास भारत के पक्ष में है। लेकिन भारतीय टीम को यह ध्यान रखना होगा कि ब्रिटेन ने उसे इसी साल 2 बार हराया है। ओलंपिक में भारतीय टीम ने जिस अंदाज में ऑस्ट्रेलिया को हराया और न्यूजीलैंड से हारा हुआ मैच जीता, वह इस बात का संकेत है कि भारतीय टीम बेहतरीन लय में है। उम्मीद है भारतीय टीम ब्रिटेन के खिलाफ इसी लय को कायम रखेगी। भारत ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहकर अंतिम आठ में पहुंचा है तो ब्रिटिश टीम ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रही थी।

सावन महीने में प्रकृति की भक्ति का श्रेष्ठ माध्यम है पौधारोपण-शर्मा

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्रावण माह प्रकृति की भक्ति का भी है। देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी अभियान के माध्यम से और इससे प्रेरणा लेकर जनपद पंचायत मंदसौर ने प्रकृति की भक्ति का अभियान प्रारंभ किया है। जनपद की सभी 124 पंचायतों में बिल्व वृक्ष का पौधरोपण प्रकृति की भक्ति के लिए किया जा रहा है। यह बात जनपद पंचायत मंदसौर के अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने कही। उन्होंने बताया कि रविवार को जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत रठाना एवं मिर्जापुरा में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया श्री, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

क्वारंटीन बोमा सुरक्षित, चीते आने से पहले ठीक करवाया जाएगी दीवार

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर सेंचुरी में अफ्रीकन चीतों को बसाने की तैयारियां पूरी हैं। अक्टूबर से दिसंबर के बीच चीतों की शिफ्टिंग भी शुरू होगी। कुछ दिन पहले सेंचुरी की सुरक्षा के लिए 64 वर्ग किलोमीटर के एनक्लोजर (बाडे) की मेटल फेंसिंग नालों में आए तेज बहाव को भी नहीं सह सकी और गिर गई। कई जगह क्षतिग्रस्त यह फेंसिंग 5 माह पहले बनकर तैयार हुई थी।गांधी सागर सेंचुरी के अधीक्षक संजय रायखेरे ने कहा कि क्वारंटीन बोमा को कोई नुकसान नहीं हुआ। 27 नालों में से 3 नालों पर ही फेंसिंग गिरी। डिजाइन बदलने के लिए जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों से सुझाव मांगे हैं। फेंसिंग बनाने वाली कंपनी ही 3 साल तक इसका मेंटेनेंस करेगी। चीते आने से पहले इसे पूरी तरह ठीक कर लिया जाएगा।

तीस करोड़ आई लागत-बाड़ा बनाने वाली उज्जैन की फर्म वाइल्ड सेंचुरी एंड फारेस्ट्री सर्विसेज ने माना-यह सामान्य बहाव सह सकती है, पर बाढ़ के तेज बहाव को नहीं। कुछ स्थानों पर फेंसिंग का डिजाइन व तकनीक दोनों बदलना होगी। वन विभाग के अफसरों ने कहा कि बारिश के पानी के साथ कचरा, झाड़ियां पत्ते बहकर आए, जो फेंसिंग में उलझ गए। जलभराव हो गया। पानी का बहाव तेज था, इस कारण फेंसिंग जमीन पर गिर गई।

डेढ़ साल से हो रही तैयारियां-मंदसौर-नीमच जिलों के बीच गांधी सागर सेंचुरी में मानसून के बाद अक्टूबर से दिसंबर के बीच दक्षिण अफ्रीका से चीतों की दूसरी खेप भारत आने वाली है। पिछले डेढ़ साल से यहां तैयारी चल रही है। इसके लिए 64 किलोमीटर का बाड़ा बनाया गया। इसमें 35.5 किलोमीटर की नेचुरल बाउंड्री गांधी सागर बांध के बेकवाटर से बनाई गई है। 28.5 किलोमीटर लंबी स्टील फेंसिंग की गई थी।

पूर्व विधायक ने भी उठाए गुणवत्ता पर सवाल-फेंसिंग निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं। मंदसौर के पूर्व विधायक व भाजपा नेता यशपाल सिसोदिया ने वन मंत्री रामनिवास रावत को पत्र लिखकर फेंसिंग की गुणवत्ता की जांच कराने व जंगली जानवरों से नागरिकों की सुरक्षा को पैदा हुए खतरे पर संज्ञान लेने की मांग की है।

एमपी में दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा प्रति लीटर दूध पर 5 रुपये का बोनस, मोहन सरकार की तैयारी

भोपाल, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार दुग्ध उत्पादकों को पांच रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि देगी। यह राशि दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को दी जाएगी। इसी माह कैबिनेट की बैठक में इसका प्रस्ताव लाने की तैयारी है।

किसानों को मिल रही प्रोत्साहन राशि-झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और असम में पहले से किसानों को पांच रुपये प्रति माह प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। हालांकि, सरकार की इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 प्रतिशत दुग्ध उत्पादकों को ही लाभ मिल पाएगा। कारण, इतने ही किसान दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जुड़े हैं।

छह सहकारी दुग्ध संघों में पहुंचता है-पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध संग्रहीत किया जाता है, जिस पर सहायता दी जाएगी। यही दूध प्रदेश के छह सहकारी दुग्ध संघों में पहुंचता है जहां से बिक्री के लिए भेजा जाता है।

सीएम मोहन ने देखा था अमूल मॉडल-दरअसल, राज्य सरकार वर्तमान वर्ष को गोरक्षा वर्ष के रूप में मना रही है। इसी कड़ी में गोपालकों के लिए यह सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी वर्ष जनवरी में अहमदाबाद में अमूल का मॉडल देखा था। इसके अनुरूप उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने बताया कि किसानों को सहायता देने में प्रतिवर्ष लगभग दो सौ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एक से दो माह में कैबिनेट के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

लेपटॉप को राशि मंजूरी के...

पेज 1 से जारी

12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपये राशि देने की योजना मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2009-10 में शुरू की गई थी। योजना के प्रारंभ में मेधावी विद्यार्थियों का स्तर 85 प्रतिशत अंकों तक रखा गया था। एक बार 70 प्रतिशत तक वालों को भी शामिल किया गया। वर्तमान में 12वीं में 75 प्रतिशत की सीमा तय है।

इनका कहना-अभी तक 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को ही इस योजना में शामिल किया गया है। राशि वितरण के संबंध में अभी शासन से कोई आदेश नहीं मिले हैं।

डीएस कुशवाहा, अपर संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल

संतों के सत्संग व आशीर्वाद से दिनचर्या सहज व सरल हो जाती है-स्वामीजी

मंदसौर, 4 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जीवन में संतो के सत्संग के साथ दर्शन और आशीर्वाद से दिनचर्या सरल सहज हो जाती है वह तभी मिलना संभव है जब आप अपनी दिनचर्या और खानपान में सुधार करें और हर जीव से प्रेम करें ओर जरूरतमंद की मदद करे बडे बुजुर्गों र्की सेवा करे। उक्त विचार परम पूज्य आचार्य स्वामी आनद स्वरूपानंदजी सरस्वती महाराज ऋषिकेश वाले विरक्त आश्रम रामघाट,मंदसौर प्रवास पर विराजमान चातुरमास के अवसर पर निस्वार्थ सेवाधारी गोपाल पारवानी अध्यक्ष वेकुंठधाम शवयात्रा उठावना सेवा समिति को दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने पर आशीर्वचन के रूप में कहे। सन्तश्री ने कहा कि ऐसे भाव तब ही उत्पन होंगे जब आप ईश्वर के बताएं मार्ग पर चलने को तन और मन से तैयार हो।

✻ उठावना ✻

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि अशोक कुमार डुंगरवाल की धर्मपत्नी, स्व.अजीत जी,सुरेश जी की भाभी जी ,आशीष (बब्लू) की माता जी,मयंक,अनुकूल की दादी जी एवं दीपक,अंकित की बड़ी मम्मी, श्रीमती शांता बाई डुंगरवाल का स्वर्गवास दिनांक 2अगस्त 2024 शुक्रवार को हो गया है जिनका उठावना दिनांक 5अगस्त 2024सोमवार को प्रात: 10.30बजे स्थान जैन मांगलिक भवन दशरथ नगर मंदसौर बैठक प्रतिदिन शाम 7से 9 निवास स्थान पर रहेगी।

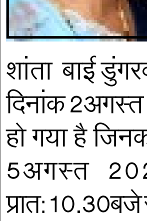

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
समस्त डुंगरवाल जैन परिवार
(बही पार्श्वनाथ वाला) मन्दसौर।

✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम अय्युब खा पिता ताज मोहम्मद दर्ज है। मुझे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम परिवर्तन कर अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी करना है। अतः आईन्दा आगे से मुझे मेरे नए नाम अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी से जाना एवं पहचाना जावें।

✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻
अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी, नंदावता, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे गाड़ी रजिस्ट्रेशन कार्ड में मेरा नाम अय्युब पिता ताज मोहम्मद दर्ज है। मुझे गाड़ी रजिस्ट्रेशन कार्ड में मेरा नाम परिवर्तन कर अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी करना है। अतः आईन्दा आगे से मुझे मेरे नए नाम अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी से जाना एवं पहचाना जावें।

✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻
अय्युब मंसूरी पिता ताज मोहम्मद मंसूरी, नंदावता, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/952/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-16.07.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक जय दुर्गा इंटरप्राईजेस बोलिया, तहसील गरोठ, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 12.07.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 03.09.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	गरोठ	पावटी	2625	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 03.09.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-14501/2024 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in